पालाई सी. के. रामचन्द्रन
अकादेमी पुरस्कारः कर्नाटक गायन संगीत

PALAI C.K. RAMACHANDRAN
Akademi Award: Carnatic Vocal

केरल के इदमट्टम में 7 अक्टूबर 1943 को जन्मे, श्री पालाई सी. के. रामचन्द्रन ने कर्नाटक गायन संगीत का प्रशिक्षण श्री कुमारकोम एम. एस. भास्कर मेनन से प्राप्त किया। बाद में, आपने श्री सेम्मनगुडी श्रीनिवास अय्यर के संरक्षण में अपनी कला को निखारा। आप आकाशवाणी और दूरदर्शन के 'उच्च' श्रेणी के कलाकार हैं और आईसीसीआर में पैनलबद्ध हैं। आपने देश–विदेश में आयोजित प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने कई छात्रों को कर्नाटक संगीत का प्रशिक्षण भी दिया है।

श्री रामचन्द्रन ने सद्गुरु श्री सेम्मनगुडी स्वामी नामक पुस्तक की रचना भी की है। आपकी कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

कर्नाटक गायन संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको न केवल भारत बल्कि विदेश के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों ने भी उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया है, जिनमें केरल संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1997); महाराजपुरम संतनम पुरस्कारय आस्थाना विद्वान सम्मानय केरल संगीत नाटक अकादमी की अध्येतावृत्ति; और केरल सरकार द्वारा प्रदान किया गया गुरुवायुरप्पन पुरस्कारम प्रमुख हैं।

श्री पालाई सी. के. रामचन्द्रन को कर्नाटक गायन संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 7 October 1943 at Idamattom in Kerala, Shri Palai C.K. Ramachandran received his training in Carnatic vocal music from Kumarakom M.S. Bhaskara Menon and later groomed his art under the tutelage of Semmangudi R. Srinivasa Iyer. A 'Top' grade artist of All India Radio and Doordarshan and an empanelled artist of I.C.C.R., he has performed in many prestigious music festivals in India and abroad. He has trained many students.

Shri Ramachandran has published a book titled Sathguru Sree Semmangudi Swamy. He has many recordings to his credit.

For his contribution in the field of Carnatic vocal music, he has been honoured with many prestigious titles and awards from many prestigious cultural institutions around the world. These include the Kerala Sangeetha Nataka Academy Award (1997); the Maharajapuram Santhanam Award (2000); the honour of Asthana Vidwan by Kanchi Kamakoti Peetam (2009); the Fellowship of Kerala Sangeetha Nataka Academy (2010); and the Guruvayurappan Puraskaram by the Government of Kerala in 2018.

Shri Palai C.K. Ramachandran receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for his contribution to Carnatic vocal music.